COVID राहत कार्य: एजुकेट गर्ल्स ने अजमेर के श्रीनगर ब्लॉक में राशन-किट का वितरण किया

- **एजुकेट गर्ल्स ने अपने वोलंटीयर और किशोरी कोचों के सहयोग से ऐसे गांवों की पहचान की जिन्हें अतिरिक्त मदद की सख़्त जरूरत है।**
- **अजमेर के श्रीनगर ब्लॉक में 2,286 चिह्नित परिवारों को राशन मुहैया कराया |**

अजमेर, 19 मई 2020: भारत के तीन राज्यों में बालिका शिक्षा के लिए कार्यरत गैर-लाभकारी संस्था एजुकेट गर्ल्स ने, कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण श्रीनगर ब्लॉक में प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से, सूखे राशन के वितरण का कार्य प्रारम्भ किया।

ग्रामीण क्षेत्रों में वायरस के फैलने से, भारत के सबसे दूरदराज के गांवों में आजीविका की समस्या, भोजन, स्वास्थ्य सुविधा, अच्छी शिक्षा की कमी और अन्य बुनियादी जरूरतों के आभाव ने समस्याएं खड़ी कर दी हैं। एजुकेट गर्ल्स ने ऐसे गांवों की पहचान की जहाँ समुदाय के लोगों को दैनिक आवश्यकताओं जैसे कि किराने का सामान, सैनिटाइज़र और मास्क प्राप्त करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है | इन गांवों में स्कूल जाना छोड़ चुके बच्चों की संख्या अधिक है, साथ ही इन जगहों पर जरूरी सामान जैसे चिकित्सा से जुड़े सामान बमुश्किल ही लोगों तक पहुँच पाता है। ऐसे क्षेत्रों और परिवारों की पहचान करने और स्कूल छोड़ चुकी बच्चियों की संख्या, राशन एवं चिकित्सा से जुड़ी सामान्य वस्तुओं की उपलब्धता का आकलन करने हेतु एजुकेट गर्ल्स ने बेहद विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण अपनाया। इसके अलावा गांवों तक यातायात एवं लोकल क्षेत्रों में राशन के सप्लाई तंत्र से जुड़ने जैसे अन्य कारकों पर भी काम किया गया। संस्था उन सभी गांवों में सहायता पहुंचा कर COVID-19 से पैदा हुई मुश्किलों को कम करने का प्रयास कर रही हैं |

प्रोजेक्ट की प्रभारी शबनम अज़ीज़ ने बताया कि एजुकेट गर्ल्स वेलफेयर किट में आधारभूत वस्तुओं जैसे आटा, चीनी, सोयाबीन, चना दाल, मसूर दाल, तेल, नमक, मिर्ची, हल्दी, सूखा धनिया, कपड़े धोने व नहाने का साबुन इत्यादि शामिल हैं। उन्होंने बताया कि, राशन-किट वितरण के दौरान सरकार द्वारा कोरोना से निपटने के लिए घोषित सोशल डिस्टेन्सिंग के मानकों व निर्देशों का पालन किया जा रहा है।

वितरण के लिए सामग्री को फील्ड में ले जाने वाले ट्रक को सुश्री सायरा बानो, सरपंच ग्राम पंचायत बीर ने झंडी दिखाकर वितरण के लिए कार्यक्षेत्र में रवाना किया। साथ ही उन्होंने अपने हाथों से सामग्री वितरण के काम को प्रारम्भ करते हुए कहा कि एजुकेट गर्ल्स संस्था ऐसे मुश्किल समय लोगों की जरूरत की सामग्री का वितरण कर बहुत अच्छा कार्य कर रही है। उन्होंने इस कार्य के लिए संस्था को धन्यवाद दिया।

संस्था अजमेर जिले के श्रीनगर ब्लॉक के 81 गांवों में वर्ष 2017 से "किशोरी बालिका कार्यक्रम" का संचालन कर रही है। इस प्रोजेक्ट के तहत लगभग 600 से अधिक शिक्षा से वंचित किशोरियों को पुनः माध्यमिक शिक्षा से जोड़ा गया है।

ऐसी किशोरियों को संस्था द्वारा अकादमिक सम्बलन भी प्रदान किया जाता है, ताकि वे परीक्षा में सफल हो सकें। लॉकडाउन के कारण, संस्था के कार्मिकों ने गांव स्तर पर प्रोजेक्ट के तहत निर्मित मददगार समूह, किशोरी समूह तथा वॉलंटियर्स से संवाद करके लॉकडाउन से प्रभावित जरूरतमंद लोगों की सूची बनाई है। इस सूची में कुल 2,286 परिवारों को चिह्नित करके, जरूरतमन्द परिवारों को राशन-किट का वितरण किया जा रहा है |

डिस्ट्रीब्यूशन ड्राइव के दौरान मौजूद एजुकेट गर्ल्स के स्टाफ और वॉलंटियर्स ने इस अवसर पे लोगों को जागरूक करने का प्रयास भी किया । उन्होंने COVID-19 को रोकने के लिए सरकार और WHO द्वारा जारी किये गए नियमों का पालन, इसमें हाथ धोना, घर के अंदर और बाहर साफ़-सफाई रखना शामिल है । जिला प्रशासन ने एजुकेट गर्ल्स द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा करते हुए इस संकट की घड़ी में ग्राउंड पर काम कर रहे संस्था के कार्मिकों सराहा । उन्होंने समुदाय की भलाई के लिए अपने निस्वार्थ प्रयासों के लिए कार्मिकों तथा वोलंटीयरों की भी सराहना की।

प्रोजेक्ट प्रभारी शबनम अज़ीज़ ने SDM सुश्री आर्तिका शुक्ला, तहसीलदार सुश्री प्रीति चौहान, विकास अधिकारी श्री शिवदान सिंह तथा चिकित्सा अधिकारी श्री राजेश शर्मा का आभार जताया जिन्होंने स्थानीय प्रशासन से समन्वय व राशन वितरण के लिए न केवल अनुमति दी बल्कि राशन वितरण के कार्य के लिए संस्था के कार्मिकों को पास जारी भी किए। प्रशासनिक अधिकारियों के सहयोग से ही यह कार्य शीघ्रता से संभव सका।

एजुकेट गर्ल्स - **2**007 में स्थापित संस्था, एजुकेट गर्ल्स का ध्यान सरकार के निवेश का लाभ उठाकर समुदाय को एकत्र करने और भारत में लड़कियों की शिक्षा में सुधार लाना है | संस्था राजस्थान और मध्यप्रदेश में शैक्षिक रूप से पिछड़े जिलों में स्कूली बालिकाओ की पहचान, नमांकन और ठहराव के लिए उनकी साक्षरता और संख्यात्मकता में सुधार लाने के लिए सरकार व समुदाय के साथ साझेदारी में काम करती है | एजुकेट गर्ल्स "समग्र शिक्षा अभियान" के तहत और सरकार के विज़न अनुसार बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ने का कार्य करती है, विशेषकर किशोरी बालिकाओं तक शिक्षा की पहुँच को सुगम बनाती है | स्कूल में सरकार के मौजूदा निवेश का लाभ उठाकर एजुकेट गर्ल्स बड़ी संख्या में लाभार्थियों को एक अनुमानित परिणाम प्रदान करती है | संस्था राजस्थान और मध्यप्रदेश के लगभग 14,000 गांवों में सरकार और ग्रामीण समुदायों के साथ सक्रिय रूप से काम कर रही है | एजुकेट गर्ल्स ने अभी तक सरकारी स्कूलों में 5,00,000 से अधिक लड़कियों को दाखिला दिलवाने में उनकी मदद की है, और नामांकन के बाद 94% से अधिक लड़कियों के स्कूल में ठहराव को भी सुनिश्चित किया है |

ज्यादा जानकारी के लिए Website | Facebook | Twitter | Instagram | Blog | YouTube पर जायें|